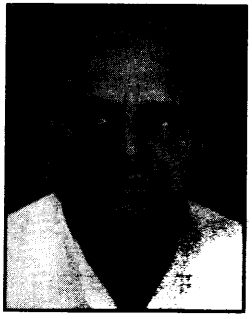

मुलायम सिंह यादव

लालबहादुर शास्त्री भवन
लखनऊ

दिनांक 26 मार्च, 2006

संदेश

प्रिय श्री गुप्त जी,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि लक्ष्मीदेवी ललित कला अकादमी अपना दो दिवसीय चतुर्थ वार्षिकोत्सव आगामी 15 अप्रैल से कानपुर में आयोजित कर रही है और इस अवसर पर एक स्मारिका भी प्रकाशित की जायेगी।

मानव और कला एक दूसरे के पूरक हैं। उत्तर प्रदेश संगीत कला क्षेत्र में हमेशा अग्रणी रहा है। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की अपनी एक अलग पहचान रही है। उत्तर प्रदेश ने कई जाने-माने महान कलाकारों को पैदा किया है, जिन्होने कला, संगीत तथा नृत्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। सरकार ने विविध कलाओं को प्रोत्साहित कराने के लिए पूर्ण संरक्षण देने की व्यवस्था की है। प्रदेश सरकार कलाकरों को यशभारती से सम्मानित करके उनकी कला को प्रोत्साहित करने के लिए भी तत्पर है। विभिन्न कलाओं, कलानुसंधानो और कलाकारों के उत्थान पर ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कलाकार एवं संगीतकार अपनी रचनात्मक और सृजनात्मक प्रतिभा का बेहतर ढंग से उपयोग करते हुए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर सकें।

मुझे विश्वास है कि स्मारिका में कला के विविध पक्षों एवं प्रदेश के ख्यातिप्राप्त संगीत घरानों पर आधारित सामग्री को प्रमुखता से प्रकाशिता किया जायेगा जो संगीत में रूचि रखने वाली भावी पीढ़ी के लिए उपयोगी एवं प्रेरणास्पद होगी।

वार्षिकोत्सव के सफल आयोजन एवं स्मारिका प्राकाशन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका

(मुलायम सिंह यादव)